जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 265 प्रभात उदयपुर, शनिवार 1 अगस्त, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 12 मूल्य 2.50 रु.

अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री मोदी पर बहुत भद्दा कटाक्ष किया

इससे नहीं लगता कि छात्रों व सरकार के बीच यह मामला किसी सम्मानजनक तरीके से सिमटेगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा, "देश के भविष्य से ज़्यादा आपकी चमड़ी चमक रही है।"

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर स्थित अपने गृह नगर लौटने के बाद दीपके ने प्रधानमंत्री मोदी पर एक और निशाना साधा। उन्होंने संशोधित पेपर लीक विरोधी कानून पर प्रधानमंत्री द्वारा देर रात इंस्टाग्राम पर डाले गए वीडियो का मज़ाक उड़ाया।

दीपके ने मोदी की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा, "देश के भविष्य से ज़्यादा आपकी चमड़ी चमक रही है।"

यह टिप्पणी उस समय आई, जब प्रधानमंत्री मोदी ने संसद से "लोक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026" पारित होने पर सैल्फी शैली का एक वीडियो जारी किया। उन्होंने इसे भारत की परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता बहाल करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

- ऐसी संभावना है कि प्रधानमंत्री की छवि को ठेस पहुँचाने के प्रयास को भाजपा स्वीकार नहीं करेगी और करारा जवाब देगी।
- प्रधानमंत्री के शुक्रवार रात आए सैल्फी स्टाइल वीडियो पर दीपके ने कटाक्ष किया है कि "आपकी स्किन देश के भविष्य से ज्यादा चमकदार है।"
- छात्रों को लगता है कि प्रधानमंत्री और सरकार उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं है, वहीं सत्ता पक्ष को लगता है, छात्रों का व्यवहार बेहद असम्मानजनक है।
- दोनों पक्ष खुद को सही और दूसरे पक्ष को असंवेदनशील मानते हैं तथा असम्मानजनक तरीके से देखते हैं।
- दोनों ओर से राजनीतिकरण की बदबू आ रही है और ऐसा लगता है कि दोनों पक्षों के बीच इस मसले का सम्मानजनक समाधान होने की संभावना कम है।

गुरुवार देर रात पोस्ट किए गए इस वीडियो को अब तक 6.3 करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है। वीडियो में प्रधानमंत्री ने इस विधेयक की सराहना करते हुए कहा कि इससे, कड़ी सजा, तकनीक आधारित सुधार और तेज जांच के जरिए, परीक्षा में होने वाली धोखाधड़ी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें इस दिशा में ठोस कदम उठाने में असफल रही थीं।

मोदी ने कहा, "विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए हम लगातार एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं।" उन्होंने बताया कि सरकार ने एक टास्क फोर्स बनाई है, फास्ट-ट्रैक व्यवस्था तैयार की जा रही है और परीक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए राज्यों से भी सलाह ली जा रही है।

उन्होंने कहा, "पेपर माफिया, पेपर लीक में शामिल कोई भी गिरोह और देश के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाला कोई भी व्यक्ति बख्शा नहीं जाएगा।"

दीपके, जो एक महीने से अधिक समय तक सीजेपी के आंदोलन का नेतृत्व करने के बाद हाल ही में घर लौटे हैं, ने लगभग एक घंटे बाद जवाब देते हुए लिखा, "देश के भविष्य से ज़्यादा आपकी चमड़ी चमक रही है।"

संशोधित कानून के तहत, परीक्षा में धोखाधड़ी करने वालों के लिए 5 से 10 साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, समयबद्ध जांच अनिवार्य की गई है और राज्यों को पेपर लीक के मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतें स्थापित करनी होंगी। यह कानून इस वर्ष, खासकर नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक के नए आरोपों के बाद, लाया गया। इन घटनाओं के कारण कई छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी और देशभर में छात्रों का बड़ा आंदोलन शुरू हो गया था।

संसद से विधेयक पारित होने से

(शेष पृष्ठ 11 पर)

पंचायत-निकाय चुनावों पर अवमानना याचिकाएं सारहीन- हाई कोर्ट

जयपुर, 31 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पंचायत और निकाय चुनाव कराने को लेकर पूर्व में 22 मई को दिए आदेश की पालना नहीं होने से जुड़ी अवमानना याचिकाएं शुक्रवार को निस्तारित कर दीं। जस्टिस सुदेश बंसल व जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने यह निर्देश पूर्व एमएलए संयम लोढ़ा व गिरिराज सिंह देवंदा की अवमानना याचिकाओं पर दिया।

- अदालत ने कहा, ये चुनाव अब 15 नवंबर तक करवाने हैं, इसलिए याचिकाएं आगे सुनवाई के योग्य नहीं हैं।

सुनवाई के दौरान प्रार्थी पक्ष के अधिवक्ता पुनीत सिंघवी व प्रेमचंद देवंदा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में पंचायत व निकाय चुनाव का समय बढ़वाने के लिए खंडपीठ में प्रार्थना पत्र दायर किया था। जिस पर अब राज्य सरकार को पंचायत व निकाय चुनाव 15 नवंबर तक करवाने हैं। इसलिए ये अवमानना याचिकाएं सारहीन हो गई हैं और आगे सुनवाई योग्य नहीं हैं। इसलिए इन्हें वापस लेने की अनुमति दी जाए।

खंडपीठ ने प्रार्थी पक्ष को सुनने के बाद अवमानना याचिकाओं को वापस लेने की अनुमति देते हुए निस्तारित कर दिया।

(शेष पृष्ठ 11 पर)

शहज़ाद पूनावाला ने भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दिया

पूनावाला ने अपने एक्स हैंडल से भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता पद हटा दिया है, लेकिन "प्र.मंत्री के आजीवन अनुयायी" का टैग कायम रखा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। टीवी बहसों में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का सबसे प्रमुख चेहरा माने जाने वाले शहज़ाद पूनावाला ने पार्टी छोड़ दी है। गुरुवार को पूनावाला ने अपने एक्स प्रोफाइल से "भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता" हटाकर, केवल "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आजीवन अनुयायी" लिखा।

उन्होंने अपने एक्स बायो से भाजपा का उल्लेख हटा दिया है। हालांकि, अब तक उनके इस्तीफे को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सूत्रों के हवाले से आई रिपोर्टों के अनुसार, पूनावाला पार्टी से इस्तीफा दे चुके हैं। सीएनएन-न्यूज़-18 ने सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंप दिया और इसके पीछे "व्यक्तिगत कारण" बताए। लेकिन पूनावाला अब भी स्वयं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का "आजीवन अनुयायी" बताते हैं।

- हालांकि, अभी तक शहज़ाद पूनावाला के इस्तीफे पर कोई अधिकृत प्रतिक्रिया नहीं आई है।
- बताया जाता है कि शहज़ाद पूनावाला ने पार्टी नेताओं को जो इस्तीफा भेजा है, उसमें निजी कारणों से इस्तीफा देने का उल्लेख किया है। पूनावाला 2017 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे।
- पूनावाला प्र.मंत्री मोदी के कट्टर समर्थक हैं और टीवी पर विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस पर बेहद तीखा हमला करने के लिए जाने जाते हैं। उनका कहना है कि सिर्फ भाजपा ही है, जिसमें सभी को मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही है, जो नरेन्द्र मोदी जैसे "सैल्फ मेड" व्यक्ति को प्रधानमंत्री बना सकती है।
- पूनावाला ने कहा कि युवाओं की एक मात्र हितैषी भाजपा ही है।

शहज़ाद पूनावाला ने वर्ष 2017 में कांग्रेस के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर हुये विवाद के बाद कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया।

पूनावाला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के प्रबल समर्थक रहे हैं। वे टीवी बहसों और अन्य मंचों पर अपने आक्रामक बयानों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई बार कांग्रेस और उसके नेताओं, विशेषकर राहुल गांधी, पर सोशल मीडिया के जरिए से तीखे हमले किए हैं। शुक्रवार को पूनावाला ने अपने एक पुराने साक्षात्कार की वीडियो क्लिप

(शेष पृष्ठ 11 पर)

'चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में प्र.मंत्री पर संदेह का कोई कारण नहीं है'

केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त व दो अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर जवाब पेश किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। केन्द्र सरकार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की वर्तमान प्रक्रिया का जोरदार बचाव करते हुए सुप्रीम कोर्ट से कहा कि प्रधानमंत्री, एक केन्द्रीय मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता वाली तीन सदस्यीय समिति द्वारा की जाने वाली नियुक्तियों में प्रधानमंत्री की भूमिका पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है।

सरकार ने तर्क दिया कि संवैधानिक न्यायालय यह मानकर नहीं चल सकते कि कार्यपालिका लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध कार्य करेगी। सरकार ने आगे कहा कि चयन समिति पर सवाल उठाना संसद की विधायी बुद्धिमत्ता और निर्वाचित संस्थाओं में संविधान द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास पर संदेह करने के समान होगा।

- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि प्रधानमंत्री के पद की एक गरिमा व पवित्रता होती है, अगर उनके निर्णय पर भरोसा नहीं किया जा सकता तो क्यों ना ऐसा प्रावधान भी कर दिया जाए कि केन्द्र में मंत्री की नियुक्ति की प्रक्रिया में वे किसी पूर्व जज या किसी बाहरी व्यक्ति से सलाह लें।
- ज्ञातव्य है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए जो पुराना पैनल था, उसमें प्र.मंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शामिल थे, पर इसमें संशोधन करके सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की जगह एक केन्द्रीय मंत्री को शामिल किया गया है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा, "प्रधानमंत्री के पद की अपनी एक गरिमा और पवित्रता है।" उन्होंने आगे कहा, "यदि उनके

(शेष पृष्ठ 11 पर)

दो दिन में 25 लाख कांवड़ियों ने गंगाजल भरा

हरिद्वार, 31 जुलाई। कांवड़ मेले के दूसरे दिन हरिद्वार में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पुलिस कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को 14 लाख 55 हजार श्रद्धालु पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।

कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 25 लाख 10 हजार शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लेकर विभिन्न राज्यों के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे हैं।

- हरिद्वार में शिव भक्तों की भारी भीड़ के लिए प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की।

जिला प्रशासन ने सभी शिवभक्तों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का उपयोग करें और प्रशासन तथा पुलिस द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन करें। अधिकारियों ने बताया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ 24 घंटे कार्यरत हैं, ताकि लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुगम हो सके।

गंगनहर में डूबने से चार कांवड़ियों की मौत

हरिद्वार, 31 जुलाई। हरिद्वार के ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित जटवाड़ा पुल के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में चार कांवड़ियों की गंगनहर में डूबने से मौत हो गई। सभी मृतक चंडीगढ़ से कांवड़ यात्रा पर हरिद्वार आए थे और उनकी उम्र करीब 16 से 18 वर्ष बताई जा रही है।

- ये सभी चंडीगढ़ से कांवड़ यात्रा में हरिद्वार आए थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जटवाड़ा पुल के पास स्नान के दौरान एक कांवड़िया गहरे गड्ढे में फंसकर डूबने लगा। उसे बचाने के लिए उसके तीन साथी भी पानी में उतर गए, लेकिन वे भी गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके
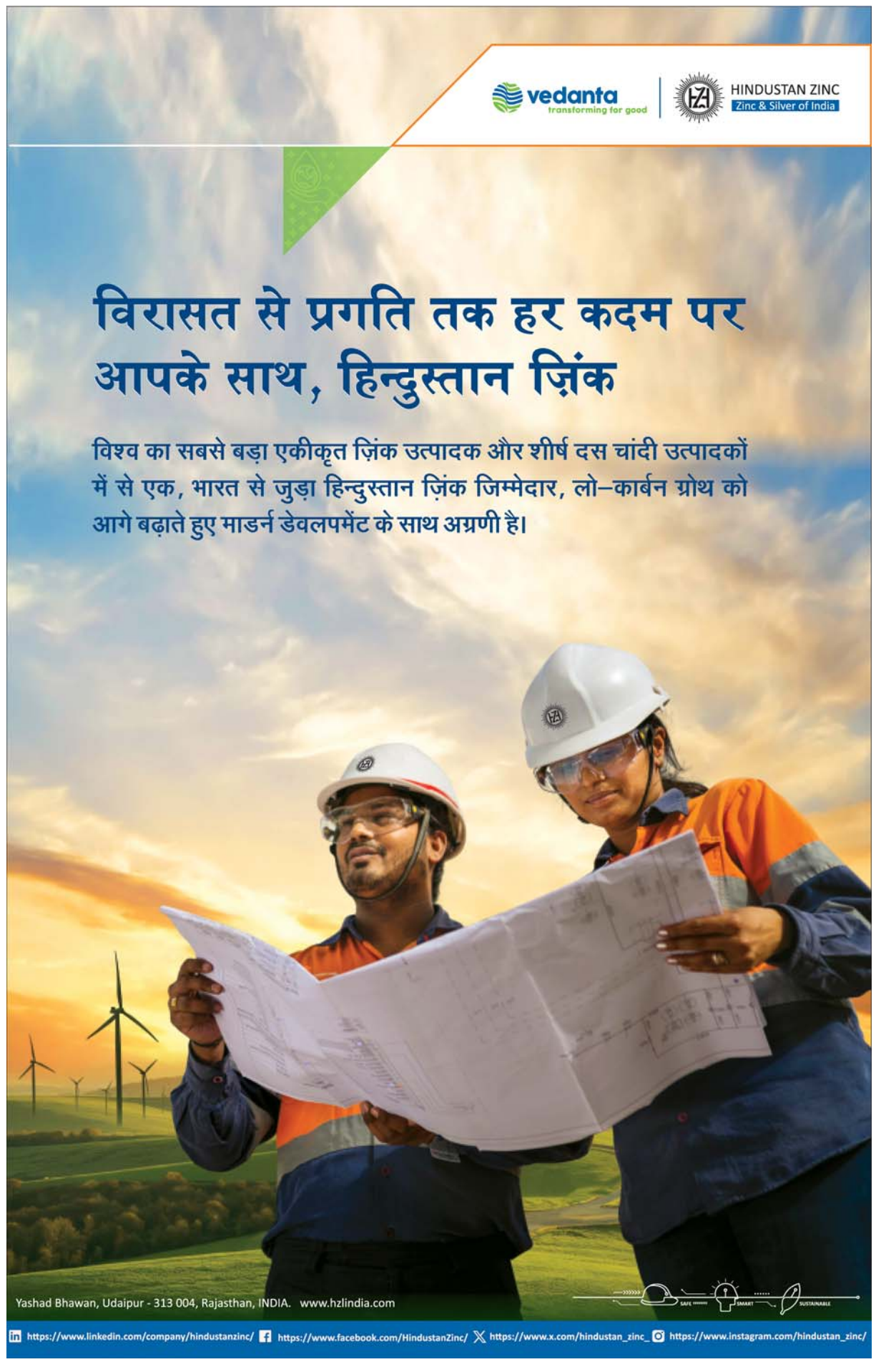
(शेष पृष्ठ 11 पर)